RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

गौरी और दिल्ली सल्तनत



LIVE 12-06-2024 7:00 PM

पृथ्वीराज चौहान



दिल्ली बसाई (ढिल्लीका पुरी) पुराना नाम
Delhi Basai (Dhillika Puri) old name

अनंगपाल–II (अनंगपाल तोमर) → नाना
Anangpal-II (Anangpal Tomar)

→ कोई पुत्र नही था Had No Son

पृथ्वीराज चौहान के पिता – सोमेश्वर सिंह चौहान
Prithviraj Chauhan's father - Someshwar Singh Chauhan

- प्रेमिका – सयुंक्ता / संयोगिता Girlfriend - Sanyukta / Sanyogita
- 1194 – चन्दावर का युद्ध 1194 - Battle of Chandawar

गौरी Vs जयचंद (गहडवाल वंश)
Gauri Vs Jaichand (Gahdwal dynasty)

→ कन्नौज kannauj

→ गौरी की जीत Gauri's victory

पृथ्वीराज चौहान की बेटी

पृथ्वीराज चौहान पिताजी अजमेर के शासक

संयोगिता के पिता जयचंद

दूसरी बेटी के पति कन्नौज के शासक जयपाल

तराईन I → ।।७। > पृथ्वीराज चौहान Vs गोरी।
तराईन II → ।।७२ >

चंदावर का युद्ध → ।।७५ → जयचंद Vs गोरी। ✓

★ मोइनुद्दीन चिश्ती तराईन के द्वितीय युद्ध में मोहम्मद गोरी के साथ आए। जो कि सूफीवाद के प्रवर्तक थे। (भारत)

Moinuddin Chishti accompanied Mohammad Ghori in the second battle of Tarain. Who was the originator of Sufism. (India)

★ चिश्ती – अजमेर (राज0) में रहते थे। Chishti - lived in Ajmer (Raj).

★ अजमेर में ही दरगाह है: (अजमेर शरीफ) – मोइनुद्दीन चिश्ती की।

There is a dargah in Ajmer itself: (Ajmer Sharif) - of Moinuddin Chishti.

★ मो. गोरी ने चंदावर युद्ध के बाद देवी लक्ष्मी के सिक्के चलवाए!

Mo. Ghori got the coins of Goddess Lakshmi issued after the Chandawar war. 1194

सूफीवाद ?

मुस्लिम धर्म → सिया, सुन्नी → विवाद → इस विवाद को दूर करने के लिए सूफीवाद का जन्म हुआ।

★ उत्तर भारत में इक्ता प्रथा, चलवाई Iqta system Started in North India

→ वेतन के जगह पर जमीन का टुकड़ा मिलता था।

Instead of salary, a piece of land was given.

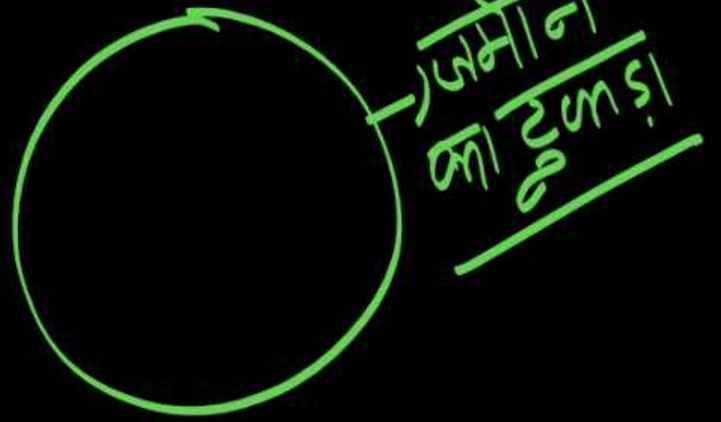
★ 1203 ई0 में कालिंजर अभियान में चंदेल शासक : परमादिदेव, को हराया!

In 1203 AD, Chandel ruler: Parmadidev, was defeated in the Kalinjar campaign!



सेनापति – आल्हा, उदल

Senapati - Alha, Udal



★ गोरी का अंतिम अभियान : खोखर जाति के विरुद्ध।
Ghori's last campaign: against the Khokhar caste.

★ गोरी की मृत्यु : 1206 Death of Ghori: 1206
दमयक (प0 पाकिस्तान) Damyak (West Pakistan)

अलीमर्दान।

★ गोरी के दास – 1. यल्दौज – गजनी (ऐबक का ससुर)
Slaves of Ghori - 1. Yaldouz - Ghazni (father-in-law of Aibak)

2. कुबाचा – सिंध (मुल्तान, काबुल, कांधार) = (ऐबक का जीजा)
2. Qubacha - Sindh (Multan, Kabul, Kandahar) = (brother-in-law of Aibak)

यल्दौज
कुबाचा
ऐबक
बाख्तियार खिलजी

3. ऐबक (कुतुबुद्दीन) – (लाहौर + दिल्ली)
3. Aibak (Qutubuddin) - (Lahore + Delhi)

4. बाख्तियार खिलजी – (बंगाल + बिहार)
4. Bakhtiyar Khilji - (Bengal + Bihar)

बख्तियार खिलजी ने नष्ट किए

1. नालंदा विश्व विद्यालय : (बिहार)
   Nalanda University
2. विक्रमशिला विश्व विद्यालय : (बिहार)
   Vikramshila University
3. ओदंतपुरी विश्वविद्यालय : (बिहार)
   Odantpuri University

Imp.

पहेल

★ बख्तियार खिलजी पूर्व में मो0 गोरी का सेनापति या बाद में ऐबक का।

Bakhtiyar Khilji was formerly the commander of Mohd Ghori or later of Aibak.







दिल्ली सल्तनत (1206–1526AD)

★ दिल्ली सल्तनत में 5 वंश हुए:

There were 5 dynasties in the Delhi Sultanate:

- गुलाम वंश – (1206–1290) **Slave Dynasty - (1206-1290)**
- खिलजी वंश – (1290–1320) – सबसे कम कार्यकाल
  Khilji dynasty - (1290-1320) - shortest tenure
- तुगलक वंश – (1320–1414) – सबसे लम्बा कार्यकाल
  Tughlaq Dynasty - (1320-1414) - longest tenure
- सैय्यद वंश – (1414–1451) **Sayyid Dynasty - (1414-1451)**
- लोदी वंश – (1451–1526) **Lodi Dynasty - (1451-1526)**

गुलाम वंश (Gulam Dynasty) 1206–1290AD

गुलाम वंश के अन्य नाम :– दास वंश (Slave dynasty)

Other names of slave dynasty: - Slave dynasty

- ममलूक वंश mamluk dynasty
- इल्बरी वंश Ilbury dynasty



गुलाम वंश में कुल शासक – 11

Total rulers in slave dynasty - 11

(1) कुतुबुद्दीन ऐबक (1206–1210) – गुलाम वंश का संस्थापक

Qutbuddin Aibak - Founder of Slave Dynasty

(जन्म :– 1150 ई0) राजधानी : लाहौर

(Birth :- 1150 AD) Capital : Lahore

सैन्य राजधानी : इन्द्रप्रस्थ

Military Capital: Indraprastha दिल्ली

→ गौरी का गुलाम था। **Gauri's slave.**

इसे मिर्जा अजीज कोका से खरीदा गया था। गौरी ने खरीदा था।

It was bought from Mirza Aziz Koka. Gauri had bought it.

★ मो. गौरी ने ऐबक को दो उपाधि मलिक और सिपहसलार प्रदान की।

Mohd. Gauri gave two titles to Aibak, Malik and Sipahsalar.

⇒ ऐबक गौरि का दामाद था।

★ गौरी ने इसे शुरूआत में अमीर–ए–आखूर पद दिया।

Gauri initially gave him the post of Ameer-e-Akhur.

→ घोड़े के अस्तबल का प्रमुख **stable master**

लाहौर → मृत्यु (चौगान खेलते समय)

Lahore death (while playing Chaugan)

★ ऐबक के other name - पील बख्श (हाथियो का दान करने वाला)

Aibak's other name. Peel Baksh (donor of elephants)

लाखबख्श Lakh Bakhsh → लाखों का दान करने वाला

हातिम द्वितीय Hatim II

कुरान खाँ ~~eat quran~~ Quran Kha

★ ऐबक ने कभी भी अपने नाम का कोई सिक्का नहीं चलाया और न ही खुतबा (प्रशंसा पत्र) पढ़वाया।

Aibak never minted any coin in his name nor did he read Khutba (appreciation letter).

★ ऐबक बख्तियार काकी का शिष्य था।

Aibak Bakhtiyar was a disciple of Kaki.

सूफीवाद (Sufism)

बख्तियार काकी के गुरू – मोईनुद्दीन चिश्ती थे,

Bakhtiyar Kaki's teacher was Moinuddin Chishti.

मोइनुद्दीन चिश्ती
↳ गुरु -> बख्तियार काकी
↳ गुरु -> ऐबक

★ ऐबक के निर्माण कार्य Aibak's construction work-

(1) कुव्वत–उल–इस्लाम मस्जिद–दिल्ली– उत्तर भारत की पहली मस्जिद
Quwwat-ul-Islam Mosque-Delhi – The first mosque of North India

(2) अढ़ाई दिन का झोंपड़ा – अजमेर

मस्जिद (3) कुतुबमीनार का निर्माण शुरू कराया।
Started the construction of Qutub Minar.

→ बख्तियार काकी याद में।

Height – 72.5m

1993 में UNESCO की विश्व विरासत सूची में शामिल।
Included in the UNESCO World Heritage List in 1993.





★ ऐबक को ही गुम्बद कला और मेहराब कला का जनक कहते हैं।
Aibak is called the father of dome art and arch art.

★ ऐबक का दरबारी कवि – हसन निजामी (पुस्तक ताजुल मासिर)
Aibak's Court Poet - Hasan Nizami (Book Tajul Masir)

★ ऐबक का मकबरा – लाहौर (इल्तुतमिश ने बनवाया)
Tomb of Aibak - Lahore (built by Iltutmish)



(2) आरामशाह (1210–1211)

❖ इसको इल्तुतमिश ने हरा दिया था, (जूड के युद्ध में)
It was defeated by Iltutmish (in the Battle of Jud)